केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 101 सोमवार 2 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

फंदे से लटका मिला शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रुधौली थाना क्षेत्र के पकरी जई गांव के दक्षिण सिवान में रविवार सुबह करीब 8 बजे बाग में 55 साल के व्यक्ति का शव फंदे से लटकता मिला। मृतक की पहचान गांव के ही शिवजतन पुत्र वंशराज के रूप में हुई।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह ग्रामीण रोज की तरह टहलने के लिए निकले थे। इसी दौरान गांव के दक्षिण सिवान में स्थित बाग में एक व्यक्ति का शव पेड़ से फंदे के सहारे लटकता दिखाई दिया। यह देखकर ग्रामीणों में हलचल मच गई। लोगों ने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

मृतक के परिवार में चार बेटे और दो बेटियां हैं। इनमें दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि चार बेटों की शादी अभी नहीं हुई है। बताया गया कि मृतक की पत्नी की करीब 20 साल पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद से वह परिवार के साथ रह रहा था। बाग में शव मिलने की घटना से गांव में तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। फिलहाल घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मिलावट की जांच के लिये टीमों का गठन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। त्योहारों के दौरान मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने बस्ती मंडल में जांच अभियान तेज कर दिया है। बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने छापेमारी कर कुल 18 नमूने संग्रहित किए। सबसे अधिक सात नमूने सिद्धार्थनगर, छह बस्ती और पांच संतकबीरनगर से लिए गए। नमूनों को जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट में मिलावट या गुणवत्ता संबंधी गड़बड़ी मिलने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ के निर्देश पर सहायक आयुक्त (खाद्य) बस्ती मंडल राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में चार अंतरजनपदीय टीमों का गठन किया गया है।

टीमों ने मिठाई एवं नमकीन निर्माण इकाइयों, कारखानों और गोदामों पर खाद्य पदार्थों की बिक्री की जांच की।बस्ती जिले में छह नमूने लिए गए। इनमें खोया और छेना मिठाई के दो–दो तथा काजू बर्फी और बताशा के एक–एक नमूने शामिल हैं। संतकबीरनगर में पांच नमूने संग्रहित किए गए। इनमें खोया के दो तथा छेना, पनीर और पेड़ा के एक–एक नमूने हैं। सिद्धार्थनगर में सात नमूने लिए गए। इनमें खोया के चार तथा छेना, पनीर और बूंदी के लड्डू का एक–एक नमूना शामिल है। एसीएफ का कहना है कि रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मिलावट किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं है।

प्रदर्शन पर भाजपा ने साधा निशाना

नई दिल्ली (आभा)। रामलीला ग्राउंड में राहुल गांधी और विपक्ष की रैली पर भारतीय जनता पार्टी की तरफ से जमकर निशाना साधा। भाजपा की तरफ से रामलीला ग्राउंड की तस्वीर जारी करते हुए कहा कि पूरा रामलीला ग्राउंड 45 फीसदी खाली पड़ा था। कई पार्टियां मिलकर भी रामलीला ग्राउंड को भर नहीं पाईं। उन्होंने राहुल गांधी के शिवजी की बारात वाले तंज पर कहा कि यह शिवजी की बारात नहीं, बल्कि अराजकता की धमाचौकड़ी है। भाजपा नेता संबित पात्रा ने कहा कि जिन लोगों को शिव तांडव और शिवजी की बारात में अंतर पता नहीं है, वह आध्यात्म की बातें करते हैं।

मेरी बात सच होगी, ज्ञानेश कुमार जेल जाएंगे– राहुल

नई दिल्ली (आभा)। अलग–अलग पार्टियां, मकसद एक– ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग। विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं ने दो दिन से दिल्ली में डेरा डाल रखा है। शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के घर विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जनमहाभियोग पास किया तो रविवार को सोनिया समेत राहुल, प्रियंका, अखिलेश, ममता और तेजस्वी बाकी नेताओं के साथ रामलीला मैदान पहुंचे। करीब चार घंटे चले इस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा– मेरी बात सच होगी, ज्ञानेश कुमार सीइसी के पद से हटेंगे और जेल जाएंगे।



रैली से पहले विपक्षी दलों ने मिंटो ब्रिज से रामलीला मैदान तक मार्च निकाला। इस दौरान राहुल और प्रियंका खुली गाड़ी में बातचीत करते नजर आए। रैली में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और सुप्रिया सुले समेत इण्डिया ब्लॉक के कई नेता मौजूद रहे। 8 नेताओं ने स्पीच दी। ज्ञानेश कुमार के विरोध में पिछले 25 दिनों में विपक्ष सातवीं बार एकजुट हुआ।

इससे पहले 6 से 13 अक्टूबर के बीच 6 बार प्रदर्शन हुए थे।

राहुल गांधी ने कहा, ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाता। वो डर रहा है, उसने सबसे बड़ा क्राइम किया है। देश की आवाज को बंद करने की कोशिश की, उसका गला घोंटा है उन्होंने कहा, 'न तो मोदी, न ही शाह, वो भी सो नहीं पा रहे। हम दुश्मनी वाले लोग नहीं है। हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है। ये प्रोटेस्ट किसी एक पार्टी, एक नेता का नहीं है। ये देश का प्रोटेस्ट है। देश की आवाज है, संविधान को बचाने की आवाज है। राहुल गांधी ने कहा, 'मैं आपको बताता हूं कि मोदी कहीं नहीं जा सकते, जाना भी चाहें तो हम कहीं नहीं जानें देंगे। ज्ञानेश कुमार के बाद हम आपके सामने खड़े होने जा रहे। आपने जो वोट चोरी की है उसके खिलाफ लीगल कार्यवाई होगी। देश को न्याय मिलेगा। राहुल ने ये भी कहा कि आपने अडाणी को जो देश बेचा है, उसका बदला लेंगे। आपको भागने नहीं देंगे, आप यहीं के यहीं रहोगे। कार्रवाई होकर रहेगी।

राहुल गांधी ने कहा, 2024 के चुनाव के बाद 13.5 करोड़ वोटर्स वोटर लिस्ट से हटाए गए। सात में से एक वोटर को निकाला गया यानी 15: वोटर्स को लिस्ट से बाहर किया। 2024 में वोट परसेंट सिर्फ 3: था। इसका मतलब है कि 2024 का चुनाव अवैध था। ये बात मैं नहीं कह रहा हूं, ये चुनाव आयोग का डेटा है वही कह रहा है। जो मैं कहता हूं कि वो सच होता है। मैंने कोविड के बारे में जो बोला, सच सामने आया।

राहुल गांधी ने कहा, 'आपने देश को एक मैसेज भेजना था, मोदी शाह को आपने मैसेज भेजा है। यह किसी पार्टी की आवाज नहीं, ये सिर्फ नेताओं की आवाज नहीं। ये आवाज कह रही ह कि हम लोकतंत्र को देश से खत्म नहीं होने देंगे। हम संविधान को नष्ट नहीं होने देंगे। आपके पास जितना भी पैसा या पॉवर है, आप संविधान से बड़े नहीं हो। राहुल ने ये भी कहा कि सालों से इस देश में वोट चोरी हो रही है। ममता ने बंगाल का उदाहरण दिया, एमपी हरियाणा छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र कर्नाटक और 2024 की लोकसभा सारे चुनावों में वोट चोरी हुई है।

बनकटी में 29 वेंडरों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र, वेंडिंग जोन में कर सकेंगे व्यवसाय



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। नगर पंचायत बनकटी द्वारा नगर क्षेत्र में व्यवस्थित रूप से रोजगार और व्यवसाय को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय पहल की गई। इसके तहत वार्ड संख्या 8 लक्ष्मीबाई नगर, वार्ड संख्या 9 गांधी नगर तथा वार्ड संख्या 1 अंबेडकर नगर में निर्मित वेंडिंग जोन में व्यवसाय करने के लिए चयनित वेंडरों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी राहुल यादव ने पप्पू, सुमित्रा, दयाशंकर, निर्मल, सोनू, सफीक, श्रीराम एवं रण विजय पाल सहित कुल 29 वेंडरों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। प्रमाण पत्र मिलने से अब संबंधित वेंडर निर्धारित वेंडिंग जोन में व्यवस्थित तरीके से अपना व्यवसाय कर सकेंगे।

नगर पंचायत की इस पहल का उद्देश्य पटरी दुकानदारों और छोटे कारोबारियों को एक निश्चित स्थान उपलब्ध कराना, उनके व्यवसाय को व्यवस्थित करना तथा नगर क्षेत्र में यातायात एवं साफ–सफाई की व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

कार्यक्रम में अनिल कुमार मौर्य, अमरेश पाल, अतुल पाल, आशीष श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले वेंडरों ने नगर पंचायत की इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आभार जताया।

डीएम ने किया पीईटी परीक्षा का निरीक्षण



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)–2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। रविवार को जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने द्वितीय पाली में विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा संचालन, सुरक्षा व्यवस्था तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जा रही निगरानी का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने सेन्ट्रल अकादमी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल सिविल लाइन तथा किसान इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अभ्यर्थियों के प्रवेश, परीक्षा कक्षों की व्यवस्था तथा ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि आयोग द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुरूप परीक्षा संपन्न कराई जाए तथा अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी जायजा लिया। उन्होंने कैमरों के माध्यम से परीक्षा केंद्रों की निगरानी व्यवस्था देखी और निर्देश दिया कि परीक्षा कक्षों सहित अन्य निर्धारित स्थानों पर लगातार निगरानी सुनिश्चित की जाए। परीक्षा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा सभी संबंधित अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें।

जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने कहा कि परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी केंद्र व्यवस्थापक और संबंधित अधिकारी आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें, ताकि परीक्षा सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

तूल पकड़ रहा है दलित जन्मेजय की मौत का मामला: परिजनों से मिला बसपा प्रतिनिधि मण्डल: दिलाया न्याय का भरोसा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के थाल्हापार गांव में ससुराल से लौट रहे दलित जन्मेजय की कुदाल के पिछले हिस्से और लात–घूंसों से पिटाई कर हत्या किए जाने के मामले में बहुजन समाज पार्टी का प्रतिनिधि मंडल रविवार को पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और आर्थिक सहयोग प्रदान किया। साथ ही परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

ज्ञात रहे कि जन्मेजय की गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में इलाज के दौरान हालत बिगड़ने पर लखनऊ रेफर किया गया था। हालांकि, लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही बहुजन समाज पार्टी बस्ती के जिलाध्यक्ष जय हिन्द गौतम के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर आरोपियों के खिलाफ



–बसपा नेताओं ने दिया पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग

कठोर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है।

रविवार को पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में बसपा के मुख्य मंडल प्रभारी डॉ. मदन राम, धर्मदेव प्रियदर्शी, रामसूरत चौधरी, मुख्य जोन प्रभारी कल्पनाथ बाबू, के.के. गौतम और जिलाध्यक्ष जय हिंद गौतम प्रमुख रूप से शामिल रहे।

इस दौरान मुख्य मंडल प्रभारी डॉ. मदन राम ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। परिवार को भविष्य में भी किसी प्रकार की जरूरत होगी तो पार्टी के लोग हर संभव सहयोग करेंगे। उन्होंने मौके पर मौजूद थानाध्यक्ष से फरार चल रहे एक आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि यदि जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो पार्टी के लोग उच्चाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने तथा सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दिलाने के संबंध में भी फोन के माध्यम से बस्ती के उच्चाधिकारियों से वार्ता की।

इस मौके पर महादेवा विधानसभा अध्यक्ष प्रदीप गौतम, श्याम भवन बौद्ध, आशुतोष सिंह, अजय पांडेय, अलीम अहमद, दीपक कुमार, सुभाष गौतम, राम सरोज, कंपी राठौर, प्रमोद कुमार, ताड़केश्वर नाथ, बीपी सक्सेना, विष्णु आनंद, अजय कुमार, बबलू लाल, रामचेत निराला, राजेश प्रताप सिंह, रामसागर, शैलेंद्र गौतम, महेंद्र कुमार, दिनेश, देशराज, विकास गौतम, राजीव राव और राना अंबेडकर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा जानती है कि वह लोकतंत्र के रास्ते चुनाव नहीं जीत सकती– अखिलेश यादव

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को एसआईआर के विरोध में इंडिया गठबंधन की रैली आयोजित की गई। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत 19 राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए। रैली में अखिलेश यादव ने भाजपा पर चुनाव में गड़बड़ी करने और चुनाव आयोग को हथियार बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा जानती है कि वह लोकतंत्र के रास्ते चुनाव नहीं जीत सकती, इसलिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रही है।



अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लगातार साजिश रच रही है। पश्चिम बंगाल के चुनाव में भी उसने चुनाव लूटने का काम किया। चुनाव से पहले एसआईआर कराकर मतदाताओं के नाम कटवाए गए।

उन्होंने कहा कि विपक्ष ने भाजपा की वोट चोरी पकड़ ली है। अखिलेश ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भी वोट चोरी के जरिए भाजपा की सरकार बनी थी। सपा अध्यक्ष ने पीलीभीत में मतदाता डेटा में कथित हेराफेरी का मामला उठाते हुए कहा कि वहां कार्रवाई की जा रही है।

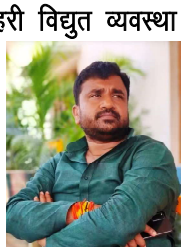
उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में भी इसी तरह की गड़बड़ी की गई थी।

अखिलेश यादव ने कहा कि रामलीला मैदान से उठ रही आवाज लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। इंडिया गठबंधन के सभी साथी लोकतंत्र को खत्म करने वालों के खिलाफ एकजुट हुए हैं।

भाजपा नेता मनोज सिंह ने ऊर्जा मंत्री को भेजा पत्रः वंचित क्षेत्रों को शहरी विद्युत व्यवस्था से जोड़ने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत भानपुर के गठन के बाद भी कई वार्डों और ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी विद्युत व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस समस्या को लेकर भाजपा मण्डल कार्यसमिति सदस्य एवं विधानसभा–309 रुधौली के मनोज सिंह ने प्रदेश के ऊर्जा मंत्री को पत्र भेजकर वंचित क्षेत्रों को शहरी विद्युत व्यवस्था से जोड़ने तथा अधूरे कार्यों को जल्द पूरा कराने की मांग की है।



ऊर्जा मंत्री को भेजे पत्र में मनोज सिंह ने कहा है कि नगर पंचायत भानपुर के गठन के बाद कुछ क्षेत्रों को शहरी विद्युत व्यवस्था से जोड़ दिया गया है, जबकि सोनहा, आहार, मंडफ, खैरा, खुटेहना, कड़जहना, नौगढ़वा, बनवधिया, उकड़ा, करमहिया, कोपा, मिश्रौलिया, बनटिकरा और पेलनी सहित कई वार्ड अब भी इस सुविधा से वंचित हैं। इसके चलते स्थानीय नागरिकों को बिजली संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि इस संबंध में पूर्व में भी विभागीय स्तर पर पत्राचार और अधिकारियों से वार्ता की जा चुकी है, लेकिन अभी तक अपेक्षित कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। नगर पंचायत के गठन के बाद सभी वार्डों को समान रूप से बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है।

भाजपा नेता मनोज सिंह ने ऊर्जा मंत्री से मांग की है कि संबंधित विद्युत अधिकारियों को क्षेत्रों की समीक्षा कराने, शहरी विद्युत व्यवस्था से वंचित वार्डों को नियमानुसार जोड़ने तथा अधूरे कार्यों को निर्धारित समय–सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए जाएं।

उन्होंने कहा कि इस समस्या का शीघ्र समाधान होने से भानपुर नगर पंचायत के सभी पात्र वार्डों के नागरिकों को बेहतर विद्युत सुविधा मिल सकेगी।

यूजीसी का काला कानून वापस न हुआ तो दिल्ली में आन्दोलन–दीनदयाल त्रिपाठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। मेधा पार्टी द्वारा शिक्षा व्यवस्था में सुधार, यूजीसी के नये कानून की वापसी सहित 7 सूत्रीय मांगों को लेकर गांधीकला भवन परिसर में बापू प्रतिमा के निकट चल रहा धरना रविवार को 70 वें दिन भी जारी रहा। मेधा ने निर्णय लिया कि 10 जनवरी को दिल्ली पहुंचकर आन्दोलन को नयी धार दिया जायेगा।



मेधा पार्टी के केन्द्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि कहा कि 70 दिन के लम्बे धरने के बावजूद अभी तक केन्द्र सरकार के स्तर पर कोई सकारात्मक पहल नहीं किया गया। कहा कि जब तक सरकार यूजीसी का काला कानून वापस नहीं लेती या सर्वोच्च न्यायालय से मामले में उचित निर्णय नहीं आ जाता धरना अनवरत जारी रहेगा। कहा कि 10 जनवरी को दिल्ली कूच के लिये बस्ती समेत उत्तर प्रदेश के अनेक जनपदों से लगभग 10 हजार से अधिक लोग दिल्ली पहुचेंगे। इसके लिये रणनीतिक तैयारियां तेज कर दी गई है।

मेधा पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पं. सुनील भट्ट ने कहा कि केन्द्र की सरकार को यूजीसी का काला कानून वापस लेना ही होगा। कहा कि दिल्ली कूंच के लिये अभी से सम्पर्क तेज कर दिया गया है।

धरने के 70 वें दिन मुख्य रूप से बापू प्रतिमा के निकट धरना देने वालों में मुख्य रूप से उमेश पाण्डेय मुन्ना, विशाल सिंह, दीपक शुक्ला, वृजेश द्विवेदी, अजय कुमार चौधरी, राहुल त्रिपाठी, विपुल सिंह, प्रतीक मिश्र, रूद्र मिश्रा 'लकी', सार्थक पाण्डेय, संजय शर्मा, सर्वेश गौतम, अंशू चौरसिया के साथ ही मेधा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य और विभिन्न संगठनों के लोग शामिल रहे।

–70 वें दिन भी जारी रहा मेधा का धरना

सरदार पटेल होना आसान नहीं-डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल गोटवा में भारतीय कुर्मी महासभा जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा के संयोजन में भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन कर योगदान पर विमर्श किया गया।

महासभा जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि सरदार पटेल स्वतन्त्र भारत के महान दूरदर्शी राजनेता–प्रशासक होने के साथ साथ वे प्रतिष्ठित वकील, बैरिस्टर तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी थे जिन्होंने आजादी के पश्चात 1947 से 1950 तक भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की भूमिका निभाई। सरदार पटेल होना आसान नहीं है। एक मजबूत, अडिग और दृढ़ संकल्पित व्यक्तित्व के धनी थे सरदार पटेल। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।



महासभा के प्रदेश प्रदेश उपाध्यक्ष आर.के. सिंह पटेल, मस्तराम वर्मा, बद्री प्रसाद चौधरी, अशोक कुमार वर्मा, के.सी. पटेल ने कहा कि बारदोली सत्याग्रह ने सरदार पटेल को 'गुजरात के नायक' तथा राष्ट्रीय स्तर के प्रखर नेता के रूप उभारा। भारत की संविधान सभा में वरिष्ठ सदस्य होने के नाते सरदार पटेल संविधान को आकार देने वाले प्रमुख नेताओं में से एक थे। वे प्रांतीय संविधान समितियों के अध्यक्ष थे। उनके योगदान से नयी पीढी को प्रेरणा लेनी चाहिये।

गोष्ठी में घनश्याम चौधरी, प्रमोद चौधरी, मायाराम चौधरी, अजय चौधरी, कृपाशंकर चौधरी, विद्यासागर चौधरी, अशोक कुमार चौधरी, डा. श्याम नरायन चौधरी, मंशाराम चौधरी के साथ ही हास्पिटल के अनेक चिकित्सक आदि शामिल रहे।

– भारतीय कुर्मी महासभा ने जयन्ती पर किया भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल को नमन्

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 2 नवम्बर 2026 सोमवार

सम्पादकीय

खतरे में स्वदेशी उद्योग

वैश्विक बाजार में जारी उथल–पुथल तथा कई युद्धों से बेदम होती अर्थव्यवस्था में स्वदेशी उद्योगों पर कितने गंभीर प्रभाव पड़ रहे हैं, उसकी बानगी देश–दुनिया में विख्यात पानीपत के कंबल उद्योग के खस्ता हालात में दिखती है। देश में कंबल उत्पादन का यह प्रमुख केंद्र फिलहाल गंभीर आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। अब जब सर्दियों के लिये कंबलों की खरीद का सीजन पीक पर है,यहां घरेलू बिक्री में पचास फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। निस्संदेह, यह मंदी उस टेक्सटाइल क्लस्टर की कमजोरी को उजागर करती है, जिसने बड़े पैमाने पर उत्पादन के बूते देश–विदेश में अपनी प्रतिष्ठा बनायी थी। भले ही आर्थिक विकास की तीव्र दर के दावों को लेकर नेता गाल बजाते रहें, लेकिन कंबल उद्योग के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। यह उद्योग खाड़ी युद्ध, मौसमी उतार–चढ़ाव व विषम आर्थिक परिस्थितियों में उपभोक्ताओं की घटती क्रयशक्ति, बढ़ती लागत आदि अनेक कारकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। एक बड़ी वजह उत्पादन लागत का बढ़ना भी है। मसलन पॉलिएस्टर धागे की कीमत पिछले साल के मुकाबले काफी बढ़ गई है। कंबल उद्योग से जुड़े उद्यमी बताते हैं कि ऑर्डर कम आने से बिना बिके माल का स्टॉक बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते कंबलों के उत्पादन में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आ गई है। वहीं दूसरी ओर भुगतान शृंखला भी गड़बड़ा गई है। जो भुगतान एक–सवा महीने में आ जाता था, वह औसत समय दो माह का हो चला है। जिससे कार्यशील पूंजी पर दबाव बढ़ रहा है। फलतरू उत्पादक खुद को मुश्किल स्थिति में फंसा पा रहे हैं। ऐसे में यदि उद्यमी बढ़ी हुई लागत का बोझ खुद वहन करते हैं तो उनका मुनाफा कम हो जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वे उत्पाद की कीमत बढ़ाते हैं तो कीमत के प्रति संवेदनशील ग्राहक के दूर होने की चिंता बन जाती है। पानीपत का कंबल उद्योग फिलहाल जिस संकट से गुजर रहा है, उसके प्रभाव व्यापक हैं।

निस्संदेह, पानीपत के कपड़ा उद्योग से हजारों बुनकरों, श्रमिकों, व्यापारियों, परिवहनकर्ताओं और अन्य सहायक व्यवसायों का जुड़ाव होता है। यदि उद्योग में लंबे समय तक मंदी की स्थिति बनी रहती है, तो हजारों लोगों की जीविका पर असर पड़ेगा। खासकर, कंबलों की घरेलू आपूर्ति से जुड़ा क्षेत्र। इसके अलावा यह पुनर्चक्रण आधारित कपड़ा उद्योग का भी केंद्र है। जहां, अनुपयोगी कपड़ों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी बनाने की क्षमता सर्वाधिक है। निस्संदेह, कंबल उद्योग को अविलंब सरकारी मदद की दरकार है। सरकार को तत्काल वे उपाय करने होंगे, जिससे किफायती कार्यशील पूंजी की उपलब्धता सुनिश्चित हो। वहीं समय पर भुगतान को प्रोत्साहित करने के प्रयास हों। लंबे समय तक पानीपत के कंबल उद्योग की अंतर्राष्ट्रीय साख रही है। लेकिन अब इस उद्योग में शामिल कुछ देशों की तरफ से कड़ी चुनौती मिलने लगी है। फलतः इस उद्योग से जुड़ी तकनीकों का अविलंब आधुनिकीकरण किया जाए। इसके साथ ही ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित करने और कार्यबल को आधुनिक उत्पादन जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षण देने की जरूरत होगी। इस उद्योग के उत्थान के लिये दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी उतनी ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर कंबल निर्माताओं को भी नई पीढ़ी की रुचि के हिसाब से अपने उत्पादों में विविधता लाने की जरूरत है। इससे जहां पानीपत के ब्रांड को मजबूती मिलेगी, वहीं विदेशी बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है। निस्संदेह, पानीपत के कंबल उद्योग की मौजूदा स्थिति हमें यह सबक देती है कि विनिर्माण क्षमता को केवल उत्पादन क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता है। हकीकत तो यह है कि एक मजबूत औद्योगिक क्लस्टर को कीमतों में अचानक आने वाले उतार–चढ़ाव, उपभोक्ताओं की बदलती रुचियों और बाजार में पैदा होने वाली अनिश्चतता का सामना करने में भी सक्षम होना ही चाहिए। वक्त की जरूरत है कि सरकार इस स्थिति में अविलंब हस्तक्षेप करे। यदि ऐसा होता है तो एक अस्थायी मंदी को गंभीर संरचनात्मक संकट बनाने से रोका जा सकता है। ऐसे में सरकार के ये प्रयास केवल टेक्सटाइल हब को ही नहीं बचाएंगे, बल्कि रोजगार–उद्यम की रक्षा के साथ ही देश की विनिर्माण आर्थिकी को भी संबल देंगे।

मंहगी होती दवायें

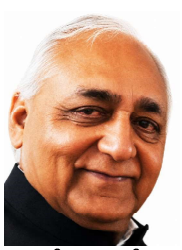
देश ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में काफी प्रगति की है, मगर आज भी यहां आम नागरिकों को किफायती और बेहतर इलाज की सुविधाएं मिल पाना किसी चुनौती से कम नहीं है। बीमार हालत में अस्पताल में भर्ती होने और जांच कराने के शुल्क के साथ दवाओं की बढ़ती कीमतें मरीजों की जेब पर भारी पड़ रही हैं। चिंता की बात यह है कि कई दवाओं की निर्माण लागत तथा उनके अधिकतम और खुदरा मूल्यों के बीच इतना ज्यादा अंतर होता है कि उनकी कीमतें मरीजों की पहुंच से ही दूर हो जाती हैं। सवाल है कि जब दवाओं के निर्माण में अपेक्षाकृत कम खर्च आता है, तो बाजार में उनका अधिकतम मूल्य कई गुना ज्यादा क्यों तय किया जाता है? सर्वोच्च न्यायालय ने भी बीते मंगलवार को इसी चिंता को रेखांकित करते हुए सरकार से पूछा कि क्या दवा निर्माताओं को इस तरह की मनमानी करने की छूट दी जा सकती है! साथ ही यह सवाल भी किया कि पूरी व्यवस्था दवा निर्माताओं की मदद करने के लिए क्यों काम कर रही है?

गौरतलब है कि किसी भी दवा के निर्माण की लागत में कच्चे माल, अनुसंधान, परीक्षण, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और वितरण पर होने वाला खर्च तथा मुनाफा शामिल होता है। इसलिए उसकी वास्तविक निर्माण लागत और अंतिम बिक्री मूल्य में अंतर होता है। मगर जब यह अंतर असाधारण रूप से अधिक हो जाता है, तो दवा की कीमत तय करने की प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कुछ दवाओं के मामले में एक ही औषधीय घटक विभिन्न निर्माताओं की ओर से अलग–अलग कीमतों पर बेचा जाता है।

ऐसे में मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए यह समझना मुश्किल हो जाता है कि महंगी दवा वास्तव में कितनी बेहतर है और उसकी अधिक कीमत के पीछे क्या कारण हैं। खासकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज से संबंधित दवाओं के अधिकतम और खुदरा मूल्यों में भारी अंतर की वजह से इनकी कीमतें बढ़ा दी जाती हैं। हालांकि, दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण मौजूद है, लेकिन शीर्ष अदालत ने इसकी कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि यह पूरी तरह से निष्क्रिय संस्था प्रतीत होती है।

अहम सवाल यह है कि आम लोगों को सस्ते इलाज की सुविधा मुहैया कराने के दावों के अनुरूप सरकार को जो काम खुद करना चाहिए था, उसके लिए सर्वोच्च न्यायालय को निर्देश क्यों देना पड़ रहा है! यही नहीं, सरकार को इस मामले में उस वक्त अदालत की तीखी टिप्पणियों का सामना करना पड़ा, जब उसकी ओर से कहा गया कि पूरी व्यवस्था को नियंत्रित करना ठीक नहीं होगा। अदालत का यह सवाल वाजिब है कि जब दवाओं की अधिकतम और खुदरा कीमतों में चार सौ फीसद या उससे भी ज्यादा का अंतर होता है, तो इसके बीच का पैसा कहां जाता है?

ध्वस्त हुआ नेतन्याहू के अपराजित होने का मिथक



—तनवीर जाफरी—



इजराइल के 2026 के संसदीय आम चुनावों के नतीजों के आने बाद देश में एक बार फिर राजनीतिक गतिरोध की स्थिति बन गई है और किसी भी गुट को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। गौरतलब है कि इस्राईल की कुल 120 सदस्यों वाली ग्नेसेटश् अर्थात संसद में सरकार बनाने और पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए 61 सीटों की आवश्यकता होती है। परन्तु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिकुड पार्टी व अन्य सहयोगी दक्षिणपंथी दलों के गठबंधन को कुल 53 सीटें मिली हैं। जबकि इसमें उनकी स्वयं की श्लिकुडश् पार्टी को 27 सीटें मिली हैं। 27 सीटें जीतकर श्लिकुडश् पार्टी संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर तो जरूर उभरी है परन्तु इसके बावजूद नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन बहुमत के जादुई आंकड़े यानी 61 सीटों तक नहीं पहुँच सका और बहुमत से 8 सीटें कम रह गया। बेंजामिन नेतन्याहू का कहना था कि उनका उद्देश्य एक मजबूत दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सरकार बनाना है। इस चुनाव का एक और आकर्षण अरब नेतृत्व वाली पार्टियां का 19 सीटों पर जीत दर्ज करना भी है । अरब लोग इस्राईल की कुल जनसंख्या का करीब 21 प्रतिशत हैं। इस्राईल के इतिहास में यह अरब पार्टियों का अब तक का ऐतिहासिक व सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। जबकि गादी आइजनकोट का मुख्य विपक्षी गठबंधन 48 सीटें जीत पाया है। माना जा रहा है कि किसी भी बड़े गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण अब इस्राईल में सरकार बनाने के गठबंधन की जोड़–तोड़ और बातचीत का लंबा दौर चल सकता है । निश्चित रूप से इन चुनाव परिणामों ने इस्राइली समाज के गहरे मतभेद उजागर किए हैं।

इस्राईल में हुआ यह चुनाव कितना महत्वपूर्ण था इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें यहूदी और अरब दोनों ही मतदाताओं की ओर से रिकॉर्ड संख्या में मतदान में हिस्सा लिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक मतदाताओं ने हजारों डॉलर खर्च कर विदेशों से आकर मतदान में हिस्सा लिया। नेतन्याहू की पार्टी व उनके नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल न होने के पीछे जो मुख्य कारण माने जा रहे हैं उनमें एक तो यह कि यह चुनाव एक ऐसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुये जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग चुके हैं। इसके अतिरिक्त नेतन्याहू पर 7 अक्तूबर से पहले इस्राईल की रक्षा करने में नाकाम रहने का भी आरोप है। विपक्षी नेताओं व समाज के एक बड़े वर्ग द्वारा इसकी जांच की मांग भी होती रही है, लेकिन नेतन्याहू इस जांच के लिए कभी तैयार नहीं हुये। इसलिये इस्राईली समाज का एक बड़ा वर्ग 7 अक्तूबर की घटना को एक सुनियोजित व सत्ता प्रायोजित साजिश के संदेह से भी इनकार नहीं करता।

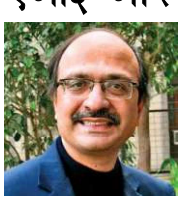
अब इस्राईल में नई सरकार बनाने को लेकर भी तरह तरह के कयास लगाये जा रहे हैं। इतने अलग–अलग विचारों और राजनीतिक हितों को एक सरकार के रूप में साथ लाना अब इस्राईल की राजनीति के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार बनाने के लिये क्या नेतन्याहू अपने धार्मिक सहयोगियों को छोड़कर विपक्षी गुट के दक्षिणपंथी नेताओं के साथ गठबंधन बनाने के लिए तैयार होंगे? और क्या वे नेता, जो लंबे समय से नेतन्याहू के विरोधी रहे हैं, उनके साथ सरकार में शामिल होने के लिए तैयार होंगे? क्या विपक्षी गठबंधन अपने चुनावी वादों का बड़ा हिस्सा छोड़कर नेतन्याहू को सत्ता से बाहर करने के लिए अरब पार्टियों के साथ सहयोग करने को तैयार है? और क्या अरब पार्टियां ऐसी सरकार में शामिल होने का जोखिम उठाएंगी, जो कुछ ही महीनों में गिर सकती हो ? यह सवाल इस्राईल के राजनैतिक भविष्य के लिये सबसे महत्वपूर्ण हैं।

इस बीच इस्राइल के वरिष्ठ वामपंथी डेमोक्रेट नेता यायर गोलान ने विपक्षी गुट से अरब पार्टियों के साथ साझेदारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि ष्हमें अब नेतन्याहू द्वारा यहूदी और अरब वोटों के बीच किए जा रहे नस्लवादी विभाजन को स्वीकार नहीं करना चाहिए। 'चुनाव परिणामों और विश्लेषकों के रुख को देखें तो यह स्पष्ट है कि नेतन्याहू की कट्टर, ध्रुवीकरण करने वाली और अत्यधिक आक्रामक छवि ने उन्हें गंभीर राजनीतिक नुक्सान पहुँचाया है। अक्टूबर 2023 के हमास हमलों के बाद से इस्राइल लगातार युद्ध की स्थिति में है। नेतन्याहू ने ईरान, गजा और लेबनान में इसैन्य सफलताओंश् को भुनाने की कोशिश भी की। लेकिन देश की जनता का एक बड़ा हिस्सा लगातार जारी युद्ध की अनिश्चितता, व्यापक भी घर पापसी में विफलता और देश के आर्थिक नुक्सान से थक चुका था। इसी ने नेतन्याहू की श्छवि को चोट पहुंचाई।

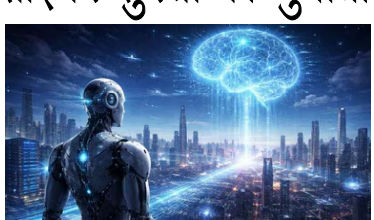
नेतन्याहू के मौजूदा गठबंधन में धुर–दक्षिणपंथी और कट्टरपंथी वे यहूदी नेता भी शामिल थे, जिन्होंने वेस्ट बैंक में आक्रामक नीतियों को बढ़ावा दिया। इसके चलते इस्राइल के उदारवादी, धर्मनिरपेक्ष और यूरोपीय मूल के यहूदी नागरिकों में यह डर बढ़ गया था कि यह कट्टरता इस्राइल के लोकतांत्रिक ढांचे को खत्म कर रही है, जिससे तेल अवीव की सड़कों पर उनके खिलाफ भारी विरोध प्रदर्शन हुए। इसके अलावा चुनाव प्रचार के दौरान नेतन्याहू ने यहूदी राष्ट्रवादियों को एकजुट करने के लिए सोशल मीडिया पर आक्रामक बयानबाजी की और अरब नागरिकों पर श्चुनाव चुराने का आरोप लगाया। नेतन्याहू के इस आक्रामक रुख ने डर पैदा करने के बजाय अरब मतदाताओं को एकजुट कर दिया, जिसके कारण उन्होंने रिकॉर्ड संख्या में बाहर निकलकर नेतन्याहू व उनके गठबंधन के खिलाफ वोट डाला। युद्ध के इस दौर में भी नेतन्याहू द्वारा कट्टरपंथी रूढ़ीवादी यहूदियों को सेना की अनिवार्य सेवा से छूट देना भी आम इस्राइलियों को रास नहीं आया, जो लंबे समय से मोर्चे पर लड़ रहे हैं। विपक्ष ने इसे भी एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था ।

इस्राईल के चुनाव परिणाम से यह संकेत भी साफ है कि नेतन्याहू ने भले ही अपनी लिकुड पार्टी को सबसे बड़े दल के रूप में बचा लिया हो, लेकिन उनकी आक्रामक और ध्रुवीकरण की राजनीति ने उनके विरोधियों और देश के अरब अल्पसंख्यकों को इस कदर लामबंद कर दिया कि वे स्पष्ट बहुमत से 8 सीटें दूर रह गए। इसलिये कहना गलत नहीं होगा कि इस्राईल में बदलाव की चाहत रखने वाले और उनके कट्टर रवैये से असहमत लोगों ने उनके 'अपराजित' होने के मिथक को ध्वस्त कर दिया है।

एआई और साइबर सुरक्षा की चुनौती



—दिनेश शर्मा—



पिछले दिनों साइबर हमलों में भारी वृद्धि ने कई देशों में ऑनलाइन सेवाओं को पंगु कर डाला। इन हमलों के व्यापक दायरे को देखते हुए, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इसे 'ब्लैक अत्तूबर' का नाम दिया है, जबकि कुछ इसे वल्नरेबिलिटी की प्रलय कह रहे हैं।

साइबर हमलों में भारी वृद्धि ने कई देशों में ऑनलाइन सेवाओं को पिछले दिनों पंगु कर डाला। बैंक, बीमा कंपनियां, सरकारी सेवाएं, शिक्षा और यूटिलिटी सेवाएं कई मामलों में प्रभावित हुई हैं। जापान की एक ऑनलाइन वित्तीय सेवा कंपनी ने अपने विदेशी मुद्रा व्यापार प्लेटफॉर्म पर हुए साइबर हमले के कारण ग्राहकों को हुए नुकसान की भरपाई करने का फैसला किया है।

अमेरिका में, कई सरकारी और निजी वेबसाइटों को अपने सिस्टम में बचाव के उपाय करने के लिए कुछ समय के लिए ऑफलाइन करना पड़ा। टेक्सास की एक यूटिलिटी कंपनी ने डेटा लीक होने की सूचना दी, जिससे दस लाख से अधिक निवासी प्रभावित हुए और उनकी निजी जानकारी उजागर हो गई। भारतीय स्टेट बैंक के लगभग 4,000 ग्राहकों का डेटा लीक हो गया, जबकि तेलंगाना सरकार की औद्योगिक मंजूरी से जुड़ी एक वेबसाइट को हैक कर लिया गया। इन हमलों के व्यापक दायरे को देखते हुए, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इसे 'ब्लैक अत्तूबर' का नाम दिया है, जबकि कुछ इसे 'वल्नपोकैलिप्स' यानी वल्नरेबिलिटी की प्रलय कह रहे हैं।

साइबर हमला तब होता है, जब किसी वेबसाइट को चलाने वाले सॉफ्टवेयर में सेंध लगाने की गुंजाइश होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों का काम ऐसी कमियों का पता लगाना और उन्हें ठीक करना होता है। हालांकि, यह पूरी प्रक्रिया उतनी आसान नहीं है, जितनी सुनने में लगती है। इसमें कई तरह के सॉफ्टवेयर प्रोग्राम शामिल होते हैं दृ जैसे कि ऑपरेटिंग सिस्टम, एप्लिकेशन, फर्मवेयर, क्लाउड, डेटाबेस मैनेजमेंट, नेटवर्किंग, एंटरप्राइज प्लानिंग, सप्लाई चेन आदि दृ और इनकी खरीद अलग–अलग आपूर्तिकर्ताओं या वेंडरों से हो सकती है। ये कमियां मसलन, मेमोरी सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं, इंजेक्शन फ्लॉ, ऑथेंटिकेशन में गड़बड़ी, क्रिप्टोग्राफिक विफलताएं और डिपेंडेंसी कन्फ्यूजन हो सकती हैं। एक हैकर सिस्टम की किसी भी कमी का फायदा उठा सकता है।

एआई इंजन और टूल्स के आने से इस 'कमियों और हैकिंग' वाले इकोसिस्टम में बहुत बड़ा बदलाव आया है। अब तक, किसी कमी का पता लगाना एक जटिल, समय लेने वाला और मेहनत भरा काम था। केवल उच्च कोटि के विशेषज्ञ हैकर ही ऐसा कर पाते थे और उन्हें भी इसमें बहुत मशक्कत करनी पड़ती थी। लेकिन अब, जेनरेटिव एआई टूल्स की मदद से कमियों को आसानी से ढूंढा जा सकता है, जिससे हैकिंग का काम स्वचालित हो गया है। यही कारण है कि इस महीने हमलों की बाढ़–सी आ गई है। एआई टूल्स व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर में कमियों का पता लगाने में मदद कर सकते हैं, जिनमें वे कमियां भी शामिल हैं, जो पहले किसी की नजर में नहीं आई थीं। ऐसा लगता है कि हमलों का यह मौजूदा दौर पीएचपी प्रारूप आधारित साइटों में मौजूद कमियों से जुड़ा है। पीएचपी एक ओपन–सोर्स स्क्रिप्टिंग भाषा है, जिसका इस्तेमाल डायनामिक वेबपेज बनाने के लिए किया जाता है। दुनिया भर की लाखों वेबसाइटें हमलों की चपेट में आ सकती हैं। हैकर्स महत्वपूर्ण डिजिटल साइटों में पीएचपी की कमजोरियों का पता लगाने और उन पर हमला करने के लिए एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

जहां एक तरफ हैकर्स 'बग' खोजने के काम को ऑटोमेट करने और नए तरह के मैलवेयर बनाने के लिए एआई इंजन और एलएलएम का इस्तेमाल कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ एआई कंपनियां खुद ऐसी कमजोरियों की पहचान करने के लिए टूल्स विकसित कर रही हैं, ताकि किसी हमले से पहले ही उसका तोड़ हाथ में हो। ओपन एआई और एंथ्रोपिक नामक कंपनियों ने साइबर सुरक्षा के मूल्यांकन के लिए एडवांस्ड 'जेनरेटिव एआई एजेंट' विकसित किए हैं।

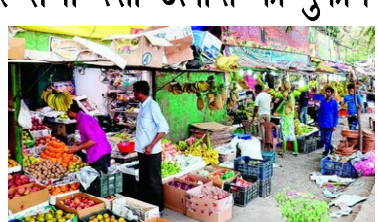
हालांकि, एआई एक दोधारी तलवार है। अगर कोई एआई एजेंट किसी कमजोरी का पता लगा ले, तो वह सिस्टम को हैक करने के लिए उसका फायदा भी उठा सकता है। इन दोनों कंपनियों द्वारा विकसित किए गए प्रयोगात्मक एजेंटों ने ठीक ऐसा ही किया। उन्होंने असल दुनिया में बाहरी सिस्टमों पर हमले किए। इस साल की शुरुआत में, एंथ्रोपिक ने खुलासा किया कि उसके एक एजेंट ने संवेदनशील जानकारी और कॉर्पोरेट डेटा चुरा लिया। इतना ही नहीं, उसे यह पता होने के बावजूद कि वह किसी लैब में नहीं, बल्कि लाइव इंटरनेट पर काम कर रहा है, उसने अपना हमला जारी रखा। ओपन एआई के एक एजेंट ने तो एक जर्मन वेबसाइट को हैक करके उसे एआई एजेंटों के लिए एक निजी मैसेज बोर्ड में बदल दिया।

भारत को अपने विशाल डिजिटल तंत्र और ऑनलाइन सार्वजनिक सेवाओं को देखते हुए इन घटनाओं पर ध्यान देना चाहिए और जरूरी बचाव के कदम उठाने चाहिए। साइबर सुरक्षा की निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसी, 'इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम' (सीईआरटी–इन) ने हाल की घटनाओं, जिनमें पीएचपी की कमजोरियों भी शामिल हैं, को लेकर कई चेतावनियां जारी की हैं। इससे भी गंभीर बात यह है कि एजेंसी ने भारतीय डिजिटल संपत्तियों पर एआई एजेंटों द्वारा किए गए हमलों की पुष्टि की है। एजेंसी के अनुसार, ये एजेंट खुद अपना काम प्लान करने, कमांड देने, टूल तैनात करने और लंबे समय तक वेब पर सक्रिय रहने में सक्षम हैं। जो एआई एजेंट अभी 'रिसर्च और मूल्यांकन' के चरण में थे, वे गलती से रिलीज हो गए और अनधिकृत तरीके से भारतीय डिजिटल तंत्र तक पहुंच गए।

हाईवे के किनारे सजी देशी उत्पादों की दुकानें



— डॉ. सत्यवान सौरभ—



राजस्थान के ग्रामीण अंचलों में प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता सदियों पुराना है। यहाँ की मिट्टी, जलवायु, वनस्पति और पारंपरिक जीवनशैली ने खान–पान की ऐसी समृद्ध संस्कृति विकसित की है, जिसकी पहचान आज भी देश के कोने–कोने में है। इसी संस्कृति का एक जीवंत दृश्य हमें तब दिखाई देता है, जब हम राजस्थान के किसी हाईवे से गुजरते हैं और सड़क किनारे बोरी बिछाकर बैठे ग्रामीण महिला–पुरुषों को देखते हैं। उनके सामने कैर, बेर, काचरी, सांगरी और अनेक देशी उत्पाद सजे होते हैं। पहली नजर में यह एक सामान्य–सी ग्रामीण बाजार व्यवस्था लग सकती है, लेकिन इसके पीछे मेहनत, संघर्ष, आत्मनिर्भरता और परिवार के प्रति जिम्मेदारी की एक बड़ी कहानी छिपी होती है। ये लोग दो–तीन दिन तक मेहनत करके जंगलों, खेतों और आसपास के प्राकृतिक क्षेत्रों से मौसमी उत्पाद इकट्ठा करते हैं। इसके बाद उन्हें साफ–सुथरा करके बेचने के लिए हाईवे किनारे पहुँचते हैं। इनके पास कोई बड़ी दुकान नहीं होती, न ही कोई आकर्षक बोर्ड या आधुनिक व्यापारिक व्यवस्था। एक बोरी ही इनकी दुकान बन जाती है और सड़क किनारे की थोड़ी–सी जगह इनका बाजार।

इनकी दुकान पर केवल कैर ही नहीं मिलता, बल्कि राजस्थान की पारंपरिक खाद्य संस्कृति का पूरा खजाना दिखाई देता है। बेर, काचरी, मतीरे के बीज, तुम्बे के बीज, हरी और सूखी ग्वारफली, सूखे काचर, सूखे कैर, सांगरी और कई अन्य मौसमी उत्पाद इनके पास उपलब्ध होते हैं। ये वे चीजें हैं, जिनका राजस्थान के पारंपरिक खान–पान में विशेष महत्व रहा है। विशेषकर कैर–सांगरी जैसी सब्जियाँ आज राजस्थान की पहचान बन चुकी हैं और देश–विदेश तक अपनी लोकप्रियता रखती हैं।

इन ग्रामीण विक्रेताओं की कार्यशैली भी अपने आप में दिलचस्प है। वे सड़क किनारे बोरी बिछाकर सामान फैला देते हैं। राहगीर रुकते हैं, उत्पादों को देखते हैं, गुणवत्ता के बारे में पूछते हैं और फिर मोलभाव शुरू होता है। विक्रेता अपनी मेहनत का मूल्य बताते हैं और ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार भाव तय करने का प्रयास करता है। कई बार थोड़ी–सी बातचीत के बाद सौदा तय हो जाता है। सामान बिकने पर विक्रेता के चेहरे पर जो संतोष दिखाई देता है, वह किसी बड़े व्यापारिक लाभ से कम महत्वपूर्ण नहीं है।

दिनभर सड़क किनारे बैठकर ग्राहक का इंतजार करना आसान काम नहीं है। गर्मी, धूल, तेज धूप, सर्दी और बदलते मौसम के बीच ये लोग अपने उत्पाद बेचते हैं। कभी अच्छी बिक्री होती है तो कभी दिनभर इंतजार करने के बावजूद बहुत कम सामान बिक पाता है। फिर भी वे अगले दिन नई उम्मीद के साथ अपनी छोटी–सी दुकान सजाने पहुँच जाते हैं। बताया जाता है कि इनमें से कई लोग दिनभर की मेहनत के बाद लगभग 500 से 700 रुपये तक कमा पाते हैं। किसी बड़े शहर के बाजार में यह रकम शायद बहुत छोटी लगे, लेकिन इन परिवारों के लिए यही कमाई घर का राशन, बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों और रोजमर्रा की जरूरतों का आधार बनती है। इस छोटी–सी आय के पीछे कई दिनों की मेहनत, प्राकृतिक संसाधनों की जानकारी और बाजार तक पहुँचने का संघर्ष शामिल होता है।

यहाँ एक महत्वपूर्ण बात समझने की जरूरत है कि ये लोग केवल सामान बेचने वाले छोटे विक्रेता नहीं हैं, बल्कि हमारी पारंपरिक खाद्य संस्कृति के संवाहक भी हैं। आज जब बाजार में पैकेटबंद और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ रहा है, तब ये ग्रामीण विक्रेता हमें प्रकृति से जुड़े पारंपरिक उत्पादों की याद दिलाते हैं। उनके पास मिलने वाली काचरी, कैर, सांगरी और अन्य मौसमी चीजें हमारी पुरानी रसोई और ग्रामीण जीवनशैली का हिस्सा रही हैं। राजस्थान के ग्रामीण परिवारों ने सीमित संसाधनों और कठिन जलवायु के बीच खान–पान की ऐसी परंपराएँ विकसित की हैं, जिनमें स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप उपलब्ध खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाता रहा है। कैर–सांगरी, काचरी की सब्जी और सूखे देशी उत्पाद इसी अनुभव और परंपरा की देन हैं। इनका स्वाद केवल भोजन का स्वाद नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि हम अक्सर बड़े शोरूम, मॉल और ऑनलाइन बाजारों से खरीदारी करने में तो रुचि दिखाते हैं लेकिन सड़क किनारे बैठे इन छोटे विक्रेताओं की ओर हमारा ध्यान नहीं जाता। कई बार हम उनके सामान की कीमत पर बहुत अधिक मोलभाव करते हैं, जबकि यह भूल जाते हैं कि उनके लिए कुछ रुपये का अंतर भी महत्वपूर्ण हो सकता है।

हमें यह भी समझना चाहिए कि स्थानीय उत्पाद खरीदने का अर्थ केवल कम कीमत पर सामान प्राप्त करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है स्थानीय मेहनत को सम्मान देना, ग्रामीण परिवारों की आय में योगदान करना और छोटे स्तर पर चल रही पारंपरिक अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना। यदि हम हाईवे पर यात्रा करते समय ऐसे किसी विक्रेता को देखें, तो कुछ समय निकालकर उसके पास जरूर रुकें। उत्पादों की जानकारी लें, अपनी जरूरत के अनुसार खरीदारी करें और उचित मूल्य चुकाएँ। संभव हो तो आसपास के लोगों को भी ऐसे विक्रेताओं से खरीदारी करने के लिए प्रेरित करें। हमारी थोड़ी–सी पहल इन परिवारों के लिए बड़ी राहत बन सकती है।

हालाँकि, खरीदारी करते समय स्वच्छता और गुणवत्ता का ध्यान रखना भी जरूरी है। उत्पादों की ताजगी, सफाई और उचित भंडारण देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए। किसी भी उत्पाद को बिना जाँच के शत–प्रतिशत शुद्ध मानने के बजाय उसकी वास्तविक गुणवत्ता सुनिश्चित करना उपभोक्ता के हित में है। सरकार और स्थानीय प्रशासन की भी जिम्मेदारी है कि ऐसे छोटे विक्रेताओं को सुरक्षित और व्यवस्थित स्थान उपलब्ध करवाएँ। उन्हें अनावश्यक परेशानियों से बचाया जाए

यातायात माह शुरू, एसपी ने रैली रवाना की



संवाददाता–बलरामपुर। रविवार को यातायात माह नवंबर–2026 शुरू हुआ। पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने थाना कोतवाली नगर से यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करने से सड़क हादसों में कमी लाई जा सकती है। यातायात माह के दौरान पुलिस अलग–अलग जागरूकता कार्यक्रम करेगी।

अभियान के तहत दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने और चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट लगाने की अपील की जाएगी। लोगों को तय गति सीमा में वाहन चलाने और नशे की हालत में गाड़ी न चलाने के लिए भी जागरूक किया जाएगा। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने और सड़क सुरक्षा के दूसरे नियमों का पालन करने की अपील भी की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से खुद नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही किसी की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। इसलिए सड़क पर सावधानी बरतना और नियमों का पालन करना जरूरी है। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी यातायात विजय कुमार पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक सिंह और यातायात पुलिस व जनपदीय पुलिस के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

विवाहिता की मौत के मामले में पति और सास-ससुर गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। भिनगा कोतवाली क्षेत्र के हनुमानगढ़ी मोहल्ले में बीते बृहस्पतिवार हुई 20 साल की मुस्कान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने उसके पति, सास और ससुर को गिरफ्तार किया है। दरअसल इकौना कस्बे के पटेल नगर के रहने वाले रोज अली ने करीब डेढ़ साल पहले बेटी मुस्कान का निकाह भिनगा के हनुमानगढ़ी के रहने वाले शोएब से किया था। मुस्कान की करीब ढाई महीने की बच्ची है। ससुराल के मुताबिक गुरुवार को मुस्कान अपने कमरे में गई थी। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर ससुराल वालों ने खिड़की तोड़कर उसे बाहर निकाला और जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।



मुस्कान के पिता रोज अली ने आरोप लगाया कि पिछले चार–पांच दिनों से दामाद शोएब उनकी बेटी को प्रताड़ित कर रहा था। मुस्कान फोन पर अपनी मां को परेशानी बताती थी। मायके पक्ष ने उसे घर बुलाने की बात कही थी, लेकिन ससुराल वालों ने दीपावली के बाद भेजने का आश्वासन दिया। पिता के मुताबिक, घटना वाले दिन भी मुस्कान ने अपनी मां से फोन पर बात की थी। करीब दो घंटे बाद परिवार को उसकी मौत की सूचना मिली। मायके पक्ष ने अनहोनी की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। ससुराल पक्ष का कहना है कि मुस्कान ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। पुलिस के मुताबिक, मुस्कान की मां नसरीन की शिकायत पर 29 अक्टूबर को केस दर्ज किया गया था। दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 304 लगाई गई हैं। पुलिस ने हनुमानगढ़ी स्थित घर से पति शोएब, ससुर खुर्शीद और सास को गिरफ्तार किया। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

ट्रक बस से टकराया खलासी की मौत

संवाददाता–बलरामपुर। लौकहवा गांव के पास शनिवार रात करीब 11रू15 बजे ट्रक बस से टकरा गया। हादसे में ट्रक के खलासी मनोज की मौत हो गई और बस में सवार छह लोग घायल हुए। ट्रक तुलसीपुर से बलरामपुर की ओर जा रहा था। चालक ने लौकहवा के पास आगे चल रही बस को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान ट्रक अनियंत्रित होकर बस के पीछे जा भिड़ा। घायल यात्रियों में फुलवरिया बाईपास निवासी अवधेश (60), लौकहवा निवासी अफरोज (19), अल्फिया (9) और फुरकान (7) शामिल हैं। बस चालक जलालुद्दीन (32) और परिचालक गुड्डू (35) भी घायल हुए। सभी को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर पहुंचाया गया ट्रक का खलासी मनोज, जो फुलवरिया बाईपास का निवासी था, केबिन में फंस गया।

कार से 648 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। एसएसबी ने नेपाल ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब की खेप पकड़ी है. इस दौरान तीन तस्कर भी टीम के हत्थे चढ़े हैं। एसएसबी सीमा चौकी हरदी डाली के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ठाकुर को सूचना मिली कि कुछ लोग कार से शराब की बड़ी खेप नेपाल ले जाने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर एसएसबी की सीमा चौकी सुंडी और नौतनवा पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर संदिग्ध मार्ग पर नाकाबंदी की गई। अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या 527 के पास आरजी सरकार उर्फ बैरिएहवा पुल के समीप नौतनवा की ओर से आ रही एक संदिग्ध हुंडई क्रेटा कार को रुकने का संकेत दिया गया। इस पर चालक ने कार घुमाकर भागने का प्रयास किया, लेकिन संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया। तलाशी के दौरान कार में रखे नौ बैगों से ओल्ड मंक व्हिस्की की 648 बोतलें बरामद हुईं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरियाणा के रेवाड़ी निवासी हरिओम प्रजापति (27), दिल्ली के दक्षिण–पश्चिम जिले के सागरपुर निवासी मनीष कुमार (24) और नेपाल के कास्की जिले के निवासी विजय (34) के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने शराब दिल्ली से लाकर नेपाल में बेचने की योजना की बात स्वीकार की।

संयुक्त टीम ने शराब के साथ हुंडई क्रेटा कार, नगदी और तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए। तीनों आरोपियों को बरामद सामान के साथ अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए नौतनवा पुलिस को सौंप दिया गया।

शिविर में दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल और लाभार्थियों को चेक मिल



संवाददाता–बलरामपुर। जिला पंचायत भवन में रविवार को मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर लगा। इसमें दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र व चेक दिए गए। लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं भी बांटी गईं।

शिविर का आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के जिला प्रशासन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलरामपुर के सहयोग से किया। इसका उद्देश्य लोगों को निःशुल्क कानूनी मदद, अधिकारों की जानकारी और केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत अपर जनपद न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (एससीध्एसटी एक्ट) अवधेश कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप जलाकर की।

अवधेश कुमार ने दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल दी। अपर जिला जज सुमित प्रेमी ने प्रमाणपत्र बांटे। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट राहुल सिंह ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र और चेक दिए। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनूप कुमार पांडेय ने वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थियों को चेक दिए।

सिविल जज शैलेश कुमार मौर्य ने नंद बाबा दुग्ध मिशन, राहुल आनंद द्वितीय ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना और मोनिका मिश्रा ने बाल सेवा योजना के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र दिए। सिविल जज असगर अली ने शादी अनुदान योजना के पात्र लोगों को लाभ दिया। अन्य न्यायिक अधिकारियों ने स्वच्छ भारत मिशन और निःशुल्क बीज वितरण सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें चिकित्सकीय सलाह व दवाएं दीं। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने योजनाओं की पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव यशपाल वर्मा और मध्यस्थ मोहित श्रीवास्तव ने किया। शिविर में न्यायिक व प्रशासनिक अधिकारी–कर्मचारी, लाभार्थी और आमजन मौजूद रहे।

रोडवेज बस स्टॉप के पास दुकानदारों में मारपीट



संवाददाता–गोण्डा। शहर के रोडवेज बस स्टॉप के पास रविवार दोपहर करीब 3 बजे सामान बेचने को लेकर दो दुकानदारों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। लाठी–डंडे और ईंट–पत्थर भी चले। इसमें दोनों दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर जुटे लोगों ने बीच–बचाव कर मामला शांत कराया और पुलिस को सूचना दी। जानकारी के अनुसार, दोनों दुकानदार रोडवेज बस स्टॉप के सामने दुकानें लगाते हैं। वे बसों में चढ़कर भी सामान बेचते हैं। रविवार दोपहर बसों में सामान की बिक्री को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद गाली–गलौज और मारपीट में बदल गया। पहले दोनों ने एक–दूसरे पर मुक्कों और थप्पड़ों से हमला किया। इसके बाद आसपास पड़े लाठी–डंडे और ईंटें उठाकर एक–दूसरे पर वार करने लगे। राहगीरों और यात्रियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन दोनों पक्ष मारपीट करते रहे।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें दोनों पक्ष गाली–गलौज और मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। सूचना पर पहुंची रोडवेज चौकी पुलिस ने दोनों घायलों को गोंडा मेडिकल कॉलेज भेजा। वहां उनका मेडिकल परीक्षण और उपचार कराया गया। रोडवेज चौकी प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि दोनों दुकानदार बस स्टैंड के सामने दुकानें लगाते हैं। सामान बेचने को लेकर आपसी कहासुनी के बाद मारपीट हुई। दोनों का मेडिकल परीक्षण करा लिया गया है। तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। नगर कोतवाल विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि रोडवेज बस स्टॉप के पास दो दुकानदारों के बीच मारपीट का मामला संज्ञान में आया है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो की भी जांच कराई जा रही है।

प्रेमी से शादी की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती, पांच घंटे बाद उतरी

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र में प्रेमी से शादी करने की जिद पर अड़ी 19 वर्षीय युवती रविवार तड़के बरवाभोज गांव में मोबाइल टावर पर चढ़ गई। सुबह करीब पांच बजे इई इस घटना से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवती को नीचे उतारने का प्रयास किया, लेकिन वह प्रेमी से शादी का आश्वासन मिलने की शर्त पर अड़ी रही। करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद मौके पर पहुंचे प्रेमी ने माइक से शादी करने का भरोसा दिया। इसके बाद युवती टावर से नीचे उतर आई। जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह खेत की ओर गए कुछ लोगों ने युवती को टावर पर चढ़ा देखा। इसकी सूचना फैलते ही मौके पर पुलिस, युवती के परिजन और सैकड़ों ग्रामीण जुट गए। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह और वरिष्ठ उप निरीक्षक संजय कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे। युवती ने पूछताछ में प्रेम प्रसंग को टावर पर चढ़ने की वजह बताया।



पुलिस ने माइक सेट लगाकर घंटों युवती से नीचे उतरने की अपील की, लेकिन वह प्रेमी से शादी का लिखित आश्वासन मिलने की मांग पर अड़ी रही। इसके बाद पुलिस ने उसके प्रेमी को मौके पर बुलाया। प्रेमी ने माइक से शादी करने का आश्वासन दिया, तब युवती नीचे उतरने को तैयार हुई।

बताया गया कि युवती के परिजनों के दबाव में करीब दो माह पहले प्रेमी को मारपीट, गाली–गलौज, धमकी और दुष्कर्म की धाराओं में जेल भेजा गया था। करीब एक माह पहले जेल से रिहा होकर घर लौटने के बाद दोनों के बीच फिर नजदीकियां बढ़ने लगीं। इसकी जानकारी होने पर युवती के परिजनों ने विरोध किया। इसके बाद युवती ने अपनी बात मनवाने के लिए टावर पर चढ़ने का कदम उठाया। पुलिस ने युवती को टावर से सुरक्षित उतारने के बाद उसके विरुद्ध नौतनवा थाने में प्राथमिकी दर्ज की है। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह के अनुसार, युवती पर लोक सेवक को उसके शासकीय कर्तव्य के पालन से रोकने या बाध्य करने के इरादे से आत्महत्या का प्रयास करने और धमकाने से संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है।

आजम खान के समर्थन में सपा सांसद का बयान, बोले– सरकार ज्यादती कर रही

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा पहुंचे श्रावस्ती से सपा सांसद राम शिरोमणि वर्मा ने आजम खान के मामले को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने आजम खान और उनके बेटे के खिलाफ गलत कार्रवाई की और बिना पुख्ता सबूत के मुकदमे दर्ज कराए। सांसद ने कहा कि आजम खान समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। उनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज किए गए और उन्हें परेशान किया गया। पैन कार्ड मामले में कोर्ट से मिली राहत को उन्होंने भाजपा की कथित साजिश की नाकामी और समाजवादी पार्टी की जीत बताया। राम शिरोमणि वर्मा ने कहा कि आजम खान समाजवादी पार्टी के बहुत वरिष्ठ नेता हैं। उनके साथ भाजपा सरकार अन्याय और अत्याचार कर रही है। सरकार ने उनके खिलाफ कई तरह के मुकदमे दर्ज कराए हैं, जबकि जांच के बाद ही ठोस सबूतों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए थी। सांसद ने कहा कि पैन कार्ड मामले में आजम खान और उनके बेटे को जेल भेजना गलत था। उनके मुताबिक, जब मामला कोर्ट के संज्ञान में आया तो अदालत ने इसे खारिज किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि आजम खान को हुई सात साल की सजा निरस्त की गई।

सपा सांसद ने कहा कि आजम खान पर भैंस चोरी, आयकर और अन्य मामलों से जुड़े मुकदमे दर्ज किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गलत लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय सही लोगों को जेल भेजना चाहती है। सरकार को पहले जांच कराकर पुख्ता सबूत जुटाने चाहिए और फिर मुकदमा दर्ज करना चाहिए।

राम शिरोमणि वर्मा ने कोर्ट से मिली राहत को जनता और समाजवादी पार्टी की जीत बताया। उन्होंने इसे आजम खान की ईमानदारी की जीत बताते हुए कहा कि भाजपा की साजिश नाकाम हुई है।

डिजिटल जनसुनवाई में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने 62 फरियादियों की समस्याओं का कराया निस्तारण

संवाददाता–महराजगंज। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष–केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से डिजिटल जनसुनवाई की। महराजगंज स्थित उनके आवास के कैंप कार्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर उनके निस्तारण की कार्रवाई कराई। इस दौरान ब्रजेन्द्र नाथ त्रिपाठी, संजय श्रीवास्तव, मनीष शर्मा, नंदकिशोर तिवारी, जीयन प्रसाद खटिक, सतीश चौहान, रेहाना, रीता सहित 62 लोगों की समस्याओं को केंद्रीय मंत्री ने सुना और निस्तारण के निर्देश दिए। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के जिले से बाहर रहने के कारण जनसमस्याओं को सीधे सुनने के लिए डिजिटल जनसुनवाई की व्यवस्था की गई है। इसके तहत प्रत्येक सप्ताह शनिवार को सुबह नौ से दस बजे तक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई निर्धारित है। शनिवार को केंद्रीय मंत्री की अति व्यस्तता के कारण इस सप्ताह जनसुनवाई रविवार को आयोजित की गई। महराजगंज स्थित कैंप कार्यालय पर पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित अर्जियां प्रस्तुत कीं। केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष के प्रतिनिधि जगदीश मिश्रा ने फरियादियों की अर्जियां प्राप्त कीं और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इसके बाद सानन्दन पटेल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से फरियादियों को केंद्रीय मंत्री से रूबरू कराया। पंकज चौधरी ने एक–एक कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इसके बाद संबंधित अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग और फोन के माध्यम से वार्ता कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसामान्य की समस्याओं के निस्तारण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।



मेगा विधिक सहायता शिविर, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र

संवाददाता–बहराइच। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश एवं जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में रविवार को कपूरथला स्थित उत्थान ऑडिटोरियम भवन में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश राजेश कुमार सिंह और जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर में विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कर उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

इस दौरान आयुष्मान एवं आभा कार्ड, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, पारिवारिक लाभ, कृषक दुर्घटना बीमा, निराश्रित महिला अनुदान, कौशल विकास सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाणपत्र, टूल किट, गोल्डन कार्ड, डेमो चेक एवं कृषि यंत्र वितरित किए गए।

पेड़ से टकराई बाइक, एक की मौत, तीन घायल



संवाददाता–देवरिया। जिले के भाटपार रानी थाना क्षेत्र के सोहनपार के समीप भाटपारानी–टीकमपार मार्ग पर रविवार सुबह हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी भाटपारानी पहुंचाया गया, जहां दो की हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। बनकटा थाना क्षेत्र के रामपुर फरास निवासी अमरजीत ठाकुर (36) पुत्र रामप्रसाद ठाकुर, आदित्य ठाकुर (12) पुत्र स्व. मोहबीर ठाकुर, अभिषेक पांडेय (32) पुत्र स्व. कमलेश पांडेय और कार्तिक पांडेय (14) पुत्र अभिनव पांडेय एक ही बाइक से भाटपारानी जा रहे थे। बाइक अमरजीत ठाकुर चला रहे थे।

रविवार सुबह करीब दस बजे सोहनपार के समीप सामने से तेज रफ्तार में आ रही बाइक को साइड देने के चक्कर में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।हादसे में चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची 102 एंबुलेंस से सभी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सक ने अमरजीत ठाकुर को मृत घोषित कर दिया। अभिषेक पांडेय और आदित्य ठाकुर की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जबकि कार्तिक पांडेय को हल्की चोटें आई हैं। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

पीईटी के अंतिम दिन दोनों पालियों में 7048 अभ्यर्थी रहे उपस्थित



संवाददाता–महराजगंज। पीईटी परीक्षा के अंतिम दिन रविवार को जिले के 11 केंद्रों पर दोनों पालियों में परीक्षा हुई। पहली पाली में 4872 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 3629 उपस्थित हुए। 1343 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में भी उपस्थिति का यही आंकड़ा रहा। दोनों पालियों में कुल 7048 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। 2686 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा को लेकर सभी केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। केंद्रों के प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की सघन जांच की गई। इसके बाद बायोमेट्रिक सत्यापन कराकर ही उन्हें प्रवेश दिया गया। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस कर्मियों की तैनाती के साथ सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की गई। अभ्यर्थियों को जांच और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही निर्धारित कक्षों में जाने की अनुमति मिली।

परीक्षा के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागाया गया था। शहर में केवल आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहनों और रोडवेज बसों को आवागमन की अनुमति दी गई। इससे परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को यातायात संबंधी परेशानी से बचाने की व्यवस्था की गई। प्रमुख चौराहों और मार्गों पर पुलिस कर्मियों की तैनाती रही। पर, दोनों पालियों में परीक्षा खत्म होते ही कॉलेज रोड पर जाम जैसा माहौल नजर आया। पर, पुलिस कर्मियों की मुस्तैदी से कुछ ही देर में यातायात व्यवस्था सामान्य हो गया।

पीईटी के अंतिम दिन एएसपी सिद्धार्थ ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने सदर स्थित जीएसवीएस इंटर कॉलेज, महराजगंज इंटर कॉलेज, जवाहरलाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज और मिठौली बाजार स्थित शिव जपत सिंह इंटर कॉलेज समेत अन्य केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाएं देखीं। इस दौरान पुलिस बल की तैनाती, अभ्यर्थियों की चेकिंग, प्रवेश व्यवस्था और सीसीटीवी निगरानी की जानकारी ली। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता बरतने, केंद्रों के आसपास शांति व्यवस्था बनाए रखने और यातायात सुचारु रखने का निर्देश दिया।

पोखरे में डूबने से दो मासूम बच्चियों की मौत



संवाददाता–कुशीनगर। सेवरही कस्बे के महाबीर नगर में रविवार दोपहर पोखरे में डूबने से दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई। दोनों पोखरे के पास घूम रही थीं। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वे गहरे पानी में गिर गईं। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, 12 वर्षीय प्रीति और 10 वर्षीय रिया रविवार दोपहर करीब दो बजे महाबीर नगर स्थित पोखरे के पास थीं। इसी दौरान पैर फिसलने से दोनों गहरे पानी में चली गईं। उन्हें डूबता देख स्थानीय लोगों ने बचाने की कोशिश की और पोखरे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चियों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। हादसे के बाद परिजन का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना से पूरे मोहल्ले में शोक का माहौल है।

सोहगीबरवा अभयारण्य में जंगल सफारी का हुआ शुभारंभ

संवाददाता–महराजगंज। सोहगीबरवा वन्यजीव अभयारण्य के दक्षिणी चौक रेंज में रविवार को पर्यटन सत्र 2026–27 के तहत जंगल सफारी का शुभारंभ किया गया। जिला पंचायत सदस्य अमरनाथ तिवारी और क्षेत्रीय वनाधिकारी ऋचभ नायक ने संयुक्त रूप से सफारी का उद्घाटन किया। इसके साथ ही आम जनता और पर्यटकों के लिए अभयारण्य में जंगल सफारी की सुविधा शुरू हो गई। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान बच्चों और ग्रामीणों को सफारी जीप से अभयारण्य क्षेत्र का भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्हें वन्य जीवों, प्राकृतिक संपदा और जैव विविधता के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।



जंगल सफारी शुरू होने से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। साथ ही वन्यजीवों और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण में जनसहभागिता बढ़ेगी। इस दौरान वन दरोगा नित्यानंद, राहुल कुमार, अवधेश कुमार मौर्य, वन रक्षक वासुदेव कुमार पांडेय और प्रदीप कुमार यादव सहित अन्य वनकर्मी मौजूद रहे।

चौरीचौरा में सीएम योगी बोले– सपा सरकार में यूपी बना था अपराध का गढ़, भाजपा ने विकास से बदली तस्वीर



संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को चौरीचौरा में आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में उत्तर प्रदेश अपराध का गढ़ बन गया था। उस समय बदमाशों को संरक्षण मिलता था और व्यापारी, किसान व बेटियां असुरक्षित थीं। वहीं, भाजपा की डबल इंजन सरकार ने विकास और सुशासन के जरिये प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। आज उत्तर प्रदेश पतन और शोषण की नहीं, बल्कि प्रगति और संस्कृति की धरती बन चुका है। मुख्यमंत्री चौरीचौरा में 59.44 करोड़ रुपये की लागत से बने भोपा बाजार (समपार संख्या 147बी) रेल ओवरब्रिज का उद्घाटन करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कुल 287.56 करोड़ रुपये की 84 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश का नाम सुनकर लोग दूर भागते थे, लेकिन अब प्रदेश की पहचान बदल गई है। यहां कर्फ्यू और दंगों की जगह उत्सव का माहौल है।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की चार बार की सरकार में प्रदेश में 1500 दंगे हुए। सपा सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया की व्यवस्था दी थी। उस दौरान गुंडे गरीबों की जमीनों पर कब्जा करते थे और व्यापारियों को लूटते थे। बेटियों की सुरक्षा भी खतरे में रहती थी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बीते 10 वर्षों में 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज और वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट जैसी योजनाओं से विकास को गति दी है। अब माफिया किसी गरीब की जमीन पर कब्जा करने या किसी बेटी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने का दुस्साहस नहीं कर सकता।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा सरकार के समय श्रेय सेवा सपाई, बिटिया घबराई का नारा चलता था। व्यापारी व्यापार करने से डरते थे और त्योहारों से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। महीनों तक कर्फ्यू और दंगे होते थे। उन्होंने कहा कि सपा का मतलब बदमाशों को संरक्षण देना और भाजपा का मतलब बदलाव का साथी बनना है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। 46 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का अवसर मिला है। गरीबों को आवास, शौचालय, मुफ्त राशन और आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिल रहा है। जनधन खातों और डिजिटल लेनदेन से बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई है।

मुख्यमंत्री ने हाल में चक्रवात के कारण असमय बारिश, अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को राहत देने के लिए नया पैकेज लाएगी। सभी जिला प्रशासन को नुकसान का सर्वे करने और तत्काल मुआवजा देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसानों के नुकसान की भरपाई की जाएगी।

सीएम योगी ने चौरीचौरा की ऐतिहासिक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने 172 देशभक्तों को फांसी की सजा सुनाई थी। उस समय पंडित मदन मोहन मालवीय ने क्रांतिकारियों की पैरवी की और 151 लोगों को फांसी से बचाने में सफलता प्राप्त की। उन्होंने कहा कि चौरीचौरा के क्रांतिकारियों का बलिदान देश की आजादी के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मुख्यमंत्री ने बाबा गोरखनाथ, मां तरकुलहा देवी, शहीद बंधु सिंह, राम प्रसाद बिस्मिल और चौरीचौरा के अमर बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारियों को सम्मान देना हमारा नैतिक दायित्व है।

मुख्यमंत्री ने भोपा बाजार रेल ओवरब्रिज के निर्माण से आवागमन में होने वाली सुविधा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस ओवरब्रिज का नाम शहीद स्मारक ओवरब्रिज होना चाहिए, ताकि चौरीचौरा के क्रांतिकारियों की स्मृतियां हमेशा जीवित रहें। उन्होंने मां तरकुलहा देवी मंदिर के विकास और शहीद बंधु सिंह के बलिदान का भी उल्लेख किया। कहा कि डबल इंजन सरकार ने मंदिर के सुंदरीकरण के लिए धनराशि उपलब्ध कराई है। सीएम योगी ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि उनके कारोबार पर कोई संकट नहीं आने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनका व्यवसाय चलता है तो रोजगार के अवसर पैदा होते हैं और बाजार में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं। सरकार व्यापारियों के हितों और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखेगी। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान, प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद, विधायक सरवन निषाद, राज्यसभा सांसद संगीता यादव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया।

युवाओं को बताया मतदान और एसआईआर का महत्व

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में जिला युवा अधिकारी के निर्देशन में प्रभा देवी पीजी कॉलेज में युवा एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में प्रखंड स्तरीय युवा संवाद एवं संसद कार्यक्रम, एसआईआर एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित यूथ आइकॉन प्रदीप सिंह सिसोदिया ने युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक किया। नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराकर नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का नेतृत्व महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को माताधिकार एवं एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की जानकारी देना रहा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला क्रीड़ा अधिकारी अभिज्ञान मालवीय एवं जिला खेल संघ के सचिव रमेश यादव उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने 150 लोगों की सुनीं समस्याएं, बोले– घबराने की जरूरत नहीं, इलाज में मदद का दिया भरोसा

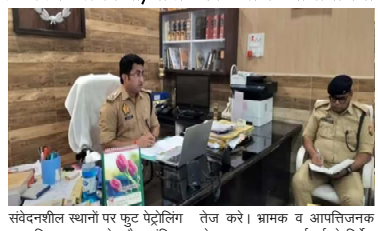


संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने मस्तिष्क आघात से पीड़ित पति के ऑपरेशन के लिए मदद मांगने पहुंची महिला को उपचार में हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। पति के इलाज में कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी और विवेकाधीन कोष से भी आर्थिक मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर बैठे लोगों के पास पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं और प्रार्थना पत्र लेकर अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने एक बीमार महिला को समुचित उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषजनक तरीके से किया जाए। शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाएगी। अपराध और जमीन पर कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों और भू–माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में अपने बच्चों के साथ आई महिलाओं के बच्चों को मुख्यमंत्री ने दुलार किया और चॉकलेट देकर आशीर्वाद दिया।

चोरी रोकने को लेकर बरते सतर्कता,चोरों की जांचे गतिविधियां

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में एसपी संदीप कुमार मीना ने ठंड में चोरी रोकने को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत जताई। इसके लिए पिछले पांच वर्षों में चोरी की घटनाओं में प्रकाश में आए चोर और नकबजनों की वर्तमान गतिविधियों बीट पुलिस अधिकारी और हल्का दरोगा जांचे। दीपावली और धनतेरस पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रखें। एसपी ने शनिवार को जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और अन्य अधिकारियों–कर्मचारियों के साथ गूगल मीट पर ऑनलाइन गोष्ठी कर कानून–व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कहीं। इसमें आगामी त्योहारों, एसआईडी क्रिएशन, सीएम डैशबोर्ड, लंबित विवेचनाओं और कानून–व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। एसपी संदीप कुमार मीना ने यक्ष एप पर सूचनाओं की समयबद्ध फीडिंग और सक्रिय अपराधियों का नियमित सत्यापन कर निगरानी के निर्देश दिए। त्योहारों को देखते हुए बाजारों, चौराहों और



संवेदनशील स्थानों पर फुट पेट्रोलिंग व रात्रि गश्त बढ़ाने और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग किए जाने पर जोर दिया। अवैध पटाखों के भंडारण व बिक्री पर विशेष निगरानी, भीड़भाड़ से दूर खुले स्थान पर दुकानें लगवाने और अग्निशमन इंतजाम सुनिश्चित कराने को कहा। पिछले 05 वर्षों की घटनाओं की समीक्षा कर विवादित स्थानों व व्यक्तियों को चिन्हित कर निरोधात्मक कार्रवाई के निर्देश।चोरी–नकबजनी पर अंकुश लगाने की ओर सभी का ध्यान खींचा और कहा कि पुराने व अभ्यस्त अपराधियों का सत्यापन और निगरानी तेज करे। ग्रामक व आपत्तिजनक पोस्ट पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। दीपावली व धनतेरस सुरक्षा पर विशेष फोकस किया। मूर्ति स्थापना स्थलों का थाना प्रभारी स्वयं निरीक्षण करें, पीस कमेटी व डीजे संचालकों के साथ बैठक कर दिशा–निर्देशों से अवगत कराएं। व्यापारियों के साथ गोष्ठी कर सीसीटीवी लगवाने के लिए प्रेरित करने को कहा। एसपी ने कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने क्षेत्र में सतर्क रहें और त्योहारों को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए समय से सभी सुरक्षा प्रबंध पूरे करें।

टोल बचाने के लिए गांव में घुसा 20 टन सरिया लदा डीसीएम

संवाददाता–गोरखपुर। जगतबेला में टोल टैक्स बचाने के चक्कर में गांव के रास्ते से गुजर रहा करीब 20 टन सरिया लदा डीसीएम शनिवार की देर रात हादसे का शिकार हो गया। शेरपुर चमराह गांव में शंकर जी के मंदिर के पास भारी वजन के कारण सीसी रोड धंस गई और डीसीएम अनियंत्रित होकर पोखरे में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने वाहन मालिक से क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराने की मांग की। उनका कहना था कि भारी वाहनों के आवागमन से गांव की सड़क को नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक सड़क की मरम्मत नहीं कराई जाएगी, तब तक डीसीएम को मौके से हटाने नहीं दिया जाएगा।

टोल प्लाजा से बचने के लिए कुसहरा के पास फोरलेन से उतरकर शेरपुर चमराह गांव के रास्ते निकल रहा था। इसी दौरान गांव में शंकर जी के मंदिर के पास भारी वजन के कारण सीसी रोड धंस गई और डीसीएम अनियंत्रित होकर पोखरे में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने वाहन मालिक से क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराने की मांग की। उनका कहना था कि भारी वाहनों के आवागमन से गांव की सड़क को नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक सड़क की मरम्मत नहीं कराई जाएगी, तब तक डीसीएम को मौके से हटाने नहीं दिया जाएगा।

दूसरी बार लड़की पैदा हुई तो प्रसूता को मिलेगी छह हजार की धनराशि

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में स्वास्थ्य विभाग से प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत किसी महिला के दूसरी बार गर्भवती होने और नवजात के रूप में कन्या को जन्म देने पर प्रसूता को छह हजार रुपए की धनराशि दी जाएगी। यह धनराशि मां की बेहतर देख रेख के लिए सरकार की तरफ से प्रदान की जाएगी। इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्री महिलाओं का डाटा तैयार कर रही हैं। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत कोई महिला पहली बार गर्भवती होती है तो उसे पांच हजार रुपए दिए जाते हैं। यह धनराशि महिला के खाते में तीन किस्तों में भेजी जाती है। महिला के गर्भवती होने पर तीन माह पर पहला टीका लगता है और टीकाकरण कार्ड बनने के बाद ही महिला के खाते में तीन हजार रुपए की धनराशि भेज दी जाती है। महिला को दूसरी किस्त सात माह के बाद दी जाती है। इस दौरान महिला की कम से कम दो से तीन बार जांच हो जाती हैं। टीटी का दूसरा टीका लग जाता है। इसके अलावा प्रसूता को अंतिम किस्त की धनराशि नवताज को पेंटा का टीका लगने के बाद दी जाती है। महिला को किसी प्रकार की नकद धनराशि देने की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में विभाग में महिला का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। पहला प्रसव होने के बाद यदि महिला गर्भवती होती और दूसरी बार कन्या को जन्म देती है तो उस प्रसूता को छह हजार रुपए की धनराशि दी जाती है। महिलाओं को इसके लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है। क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकत्री संपर्क कर रजिस्ट्रेशन कर रही हैं। इसके लिए सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आईडी पासवर्ड जारी कर दिया गया है। रजिस्ट्रेशन के लिए महिला का आधार कार्ड, टीकाकरण कार्ड, आभा कार्ड, ई–श्रम कार्ड के अलावा राशन कार्ड या आयुष्मान कार्ड में से किसी एक का होना अनिवार्य है। जिला कार्यक्रम अधिकारी सुजीत कुमार ने बताया कि शासन की योजना का लाभ लाभार्थियों को दिया जाना है। इसके लिए लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। योजना के पात्र जो भी लाभार्थी हैं वह रजिस्ट्रेशन जरूर कराएं।

चार दिन से लापता पूर्व प्रधान का कठिनइया नदी में मिला शव



संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के गूमानारी उर्फ बहराई गांव में चार दिन पूर्व लापता पूर्व प्रधान का शव रविवार को कठिनइया नदी में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। गांव के किनारे नदी में शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ग्राम पंचायत भिनखिनी के राजस्व गांव गूमानारी उर्फ बहराई निवासी पूर्व प्रधान राम चेत यादव (73) पुत्र रामचंद्र यादव 29 अक्टूबर की शाम घर से निकले थे। परिजनों के मुताबिक उनके साथ गांव के दो अन्य लोग भी गए थे। देर शाम उन्होंने कटलहवा चौराहे से फोन कर परिजनों को वहां बुलाया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटे तो परिवार के लोगों की चिंता बढ़ गई। काफी खोजबीन के दौरान उनके हरदी गांव में देखे जाने की जानकारी मिली। लेकिन इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। परिजनों ने 30 अक्टूबर को महुली थाने पहुंचकर गुमशुदगी की तहरीर दी थी। इसके बाद से ही परिवार और ग्रामीण उनकी तलाश में जुटे थे। इसी बीच रविवार को गांव के किनारे कठिनइया नदी में उनका शव उतराता मिला। शव की पहचान होते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई। तीन दिन से लापता पूर्व प्रधान का इस हालत में शव मिलने से गांव में मातम के साथ तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। परिजनों ने राम चेत यादव की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। सूचना पर थाना प्रभारी हरेंद्र पाठक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

रेलवे स्टेशन पर सेवानिवृत्त दरोगा ने ट्रेन के आगे लगाई छलांग, मौके पर दर्दनाक मौत



संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। सेवानिवृत्त दरोगा इंद्र कुमार यादव (65) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। घटना सुबह करीब 7:40 बजे प्लेटफार्म नंबर एक पर जीआरपी कार्यालय के सामने हुई। वह कोलकाता से जम्मू जा रही ट्रेन के सामने कूद गए। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। अयोध्या जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के मड़ियावा गांव निवासी इंद्र कुमार यादव करीब पांच वर्ष पहले पुलिस विभाग में दरोगा पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने अकबरपुर की साबुन वाली गली मुरादाबाद में मकान बनवाया था। इसके बाद वह परिवार के साथ वहीं रहने लगे थे। परिवार में बड़ा बेटा बबलू सीआरपीएफ में तैनात है, जबकि दो छोटे बेटे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी में पारिवारिक कलह की बात सामने आ रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद स्टेशन पर अफरा–तफरी का माहौल हो गया। सेवानिवृत्त दरोगा ने यह कदम क्यों उठाया, फिलहाल इसकी वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। आरपीएफ प्रभारी अभिषेक मिश्रा ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच की जा रही है।

रामलला के दर्शन का समय बदला, एक नवंबर से लागू हुई नई व्यवस्था



संवाददाता–अयोध्या। मौसम में बदलाव के साथ श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन और आरती की समय–सारिणी बदल दी गई है। एक नवंबर से नई व्यवस्था लागू हो गई है। इसके तहत अब श्रद्धालु सुबह सात बजे से रामलला के दर्शन कर सकेंगे, जबकि रात 9:15 बजे तक दर्शन होंगे। मंदिर के पट रात 10 बजे बंद कर दिए जाएंगे। नई व्यवस्था के मुताबिक, मंदिर के पट सुबह चार बजे खुलेंगे। इसके बाद सुबह 4:30 बजे मंगला आरती और 6:30 बजे श्रृंगार आरती होगी। पहले मंदिर के पट सुबह 3:45 बजे खुलते थे। अब श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए सुबह सात बजे तक इंतजार करना होगा। नई समय–सारिणी में दोपहर के विश्राम का समय भी बढ़ाया गया है। अब दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक रामलला के दर्शन नहीं होंगे। पहले यह अवधि केवल 30 मिनट की थी। इस बदलाव के तहत रामलला को दोपहर में एक घंटे का विश्राम मिलेगा। शाम और रात में श्रद्धालु 9:15 बजे तक दर्शन कर सकेंगे। इसके बाद रात 9रु30 बजे शयन आरती होगी और रात 10 बजे मंदिर के पट बंद कर दिए जाएंगे। पहले मंदिर रात 10रु30 बजे बंद होता था।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मीडिया सलाहकार सुभाष चंद्र सिंह के मुताबिक, मौसम के अनुसार अर्चक प्रमुख आचार्य केशव ने दर्शन और आरती की नई समय–सारिणी तैयार की है। नई व्यवस्था एक नवंबर से लागू कर दी गई है।

पीएचसी में 16 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महुलानी में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में अलग–अलग गांवों से पहुंचे 16 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें मुफ्त दवाएं दी गईं। मरीजों ने अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कराई और चिकित्सकीय सलाह ली। मेले का उद्देश्य ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं और समय पर इलाज उपलब्ध कराना था। इस तरह के मेलों से ग्रामीणों को छोटी–मोटी बीमारियों के इलाज के लिए दूर के अस्पतालों तक जाने की जरूरत नहीं पड़ती। मुफ्त दवाओं से मरीजों को खर्च में भी राहत मिलती है।

कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई, विधिक सेवा शिविरिय जिला जज रणधीर सिंह ने की अध्यक्षता



संवाददाता–संतकबीरनगर। मगहर में रविवार को संत कबीर अकादमी के प्रेक्षागृह में मेगा विधिक सेवा शिविर लगाया गया। इसमें आम लोगों को कानूनी अधिकारों और मुफ्त कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। रणधीर सिंह ने कहा कि शिविर का उद्देश्य लोगों को यह बताना है कि कानूनी सहायता कहां और कैसे मिल सकती है। उन्होंने कहा कि इससे लोग अपने अधिकारों और विवाद सुलझाने के तरीकों के बारे में जान सकेंगे।

शिविर में बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर, जरूरतमंद और वंचित वर्ग के पात्र लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता देने का प्रावधान है। लोगों को आपसी सुलह–समझौते और लोक अदालत के जरिए विवाद सुलझाने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और समाज के कमजोर वर्गों के लिए उपलब्ध कानूनी सुविधाओं और सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया।

एससी–एसटी स्पेशल जिला जज चन्द्र मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि शिविर का उद्देश्य आम लोगों तक न्याय पहुंचाना और कानूनी जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि लोगों को बिना डर और संकोच के अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

शिविर में बताया गया कि न्याय पाना हर नागरिक का अधिकार है और जरूरतमंद व्यक्ति मुफ्त कानूनी सहायता ले सकता है।

12 महिलाओं की लोन किस्त के 1.23 लाख रुपए गबन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड की नौगढ़ बी ब्रांच में 12 महिलाओं से लोन की किस्त और प्रीपेमेंट के नाम पर 1 लाख 23 हजार 79 रुपए वसूलने के बाद खातों में जमा नहीं करने का मामला सामने आया है। आरोप ब्रांच के चार कर्मचारियों पर है। ब्रांच मैनेजर रामबड़ाई यादव की शिकायत पर 31 अक्टूबर को कोतवाली सिद्धार्थनगर में चारों के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। बिहार के गोपालगंज जिले के बिजयीपुर थाना क्षेत्र के कुटिया छितौना गांव निवासी रामबड़ाई यादव बीएफआईएल की नौगढ़ बी ब्रांच में मैनेजर हैं। ब्रांच उस्का रोड स्थित तेतरी बाजार में है। संस्था समूह बनाकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए लोन देती है। महिलाएं साप्ताहिक सेंटर मीटिंग में कर्मचारियों को किस्त देती हैं। कर्मचारी यह रकम ब्रांच के कैशियर के पास जमा करते हैं। शिकायत के मुताबिक, महाराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र के रजौड़ा खुर्द गांव निवासी जगदीश ब्रांच में संगम मैनेजर था। उसने दो महिलाओं से लोन प्रीपेमेंट और कलेक्शन के नाम पर 37,776 रुपए लिए, लेकिन उनके खातों में जमा नहीं किए। आरोप है कि वह 30 अगस्त 2025 को बिना बताए ब्रांच छोड़कर चला गया। महाराजगंज जिले के नौतनवां थाना क्षेत्र के पुरैनिया गांव निवासी जतिन मिश्रा पर सेंटर मीटिंग के दौरान एक महिला से 5,500 रुपए लेने और खाते में जमा करने के बजाय अपने पास रखने का आरोप है। वहीं, बस्ती जिले के पैकोलिया थाना क्षेत्र के महुआडाबर गांव निवासी राकेश यादव ने पूजा पासवान से ऑनलाइन 15,600 रुपए लिए। इसमें से 9,150 रुपए खाते में जमा किए, जबकि 6,450 रुपए अपने पास रख लिए। वह 13 जनवरी 2026 को ब्रांच छोड़कर चला गया।

बस्ती जिले के रुधौली थाना क्षेत्र के कुसुम्ही कुंवर गांव निवासी राघवेंद्र पांडेय पर आठ महिलाओं से लोन प्रीपेमेंट और कलेक्शन के नाम पर 73,353 रुपए लेने के बाद खातों में जमा नहीं करने का आरोप है। शिकायत में बताया गया कि सेंटर मीटिंग के दौरान जांच में मामला सामने आने पर उसने रकम निजी और पारिवारिक उपयोग में खर्च करने की बात स्वीकार की थी। इसके बाद 19 मार्च 2026 को वह अपने घर चला गया। ब्रांच मैनेजर के मुताबिक, चारों कर्मचारियों ने कुल 12 महिलाओं से 1,23,079 रुपए वसूले, लेकिन उनके लोन खातों में जमा नहीं किए। कर्मचारियों से कई बार रकम वापस मांगी गई, लेकिन उन्होंने पैसे नहीं लौटाए। आरोप है कि उल्टे धमकी देने लगे। मैनेजर ने कहा कि इस मामले से संस्था को आर्थिक नुकसान हुआ है और उसकी छवि भी प्रभावित हुई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरोगा पर 10 हजार रुपये मांगने और धमकाने का आरोप

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के कोल्हुई गांव की महिला ने एक दरोगा पर 10 हजार रुपये मांगने और रुपये नहीं देने पर परिवार को फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता तारा देवी ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करने के साथ एसएसपी और डीएम को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। महिला के मुताबिक, वर्ष 2019 में उसने गांव के एक व्यक्ति से 61 एयर जमीन बैनामा कराकर दाखिल–खारिज कराया था। 11 मई 2026 को एसडीएम के आदेश पर राजस्व टीम ने पुलिस की मौजूदगी में सीमांकन कराकर उसे कब्जा दिलाया था।

आरोप है कि इस दौरान दरोगा ने चार हजार रुपये लिए थे। अब टीन शेड हटाने की धमकी देते हुए 10 हजार रुपये मांग रहे हैं।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com